राजस्थान

2137403

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या........................

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें ।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय ....संस्कृत........

परीक्षा का दिन ....शनिवार........

दिनांक ....30-03-2024........

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	15	19	4
2	7	20	4
3	10	21	
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	3	31	
14	4	योग	80
15	4	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	4	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा। (2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें। (3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर........2........ संकेतांक 60943

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 177/2024

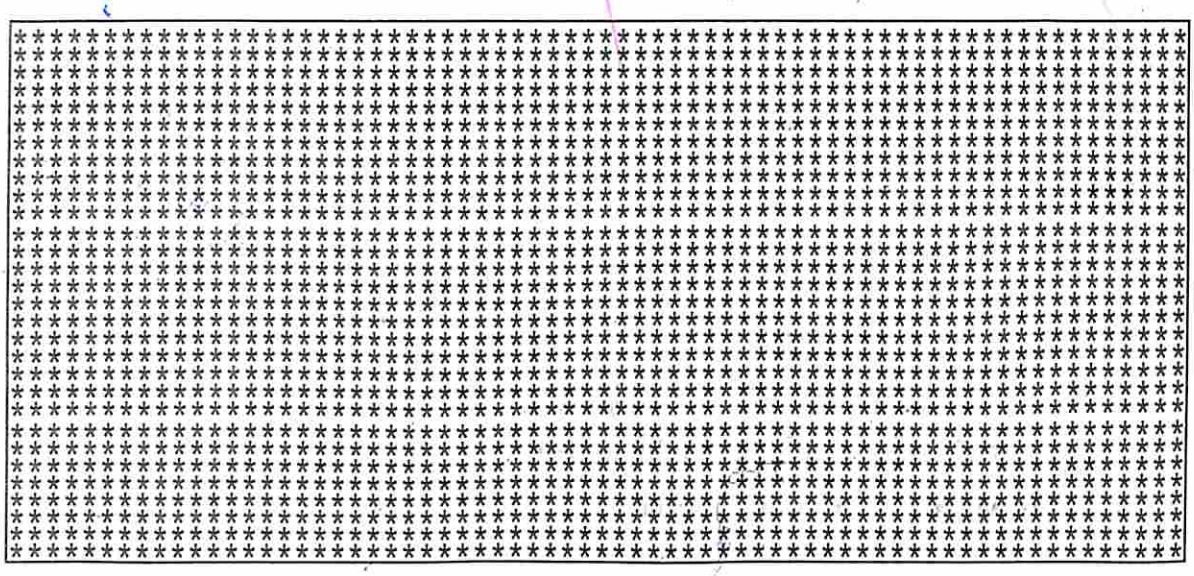

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
15	प्र. 1	वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

प्रश्ना :	उत्तर	
(i)	[ब]	ईउभाव्यौ
(ii)	[स]	राज्ञः
(iii)	[स]	विद्याधनम्
(iv)	[द]	भूकम्पस्य
(v)	[ब]	इतानम्
(vi)	[स]	वृद्धि
(vii)	[ब]	पशुपातिस् + चलति
(viii)	[स]	पण्डितोजनः
(ix)	[ब]	सम्यगुक्तम्
(x)	[अ]	नमस्ते
(xi)	[स]	रामश्च लक्ष्मणश्च
(xii)	[ब]	नीलकमलम्
(xiii)	[ब]	बहुव्रीहिः
(xiv)	[स]	उक्ष
(xv)	[अ]	कुम् + वलम

कृ. प. उ.

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र. 2.	रिक्तस्थानानि पूरयत -
	उत्तर	
	[i]	कुमारी ।
	(ii)	गुणवान ।
	(iii)	~~कमीयम~~ करणीयम ।
7	(iv)	तव ।
	(v)	छात्राय ।
	(vi)	क्रीडति ।
	(vii)	करिष्यामि ।
	प्र. 3 [अ]	
	[क]	एकपदेन उत्तरत -
	(i)	अनुशासनस्य ।
	(ii)	छात्राः ।
	(iii)	अनुशासितः ।
	(iv)	ईश्वरस्य ।

BSER-177-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	[ख]	
	(i)	समाजे नियमानां पालनम् अनुशासनं भवति ।
	(ii)	सामाजिकव्यवस्थायै अनुशासनमत्यन्तम् आवश्यकमस्ति ।
	(iii)	यः नरः पूर्णतया अनुशासनं पालयति सः स्वजीवने सदा सफलः भवति ।
	[ग]	
	⇒	अनुशासनम् / अनुशासनस्य महत्वम् ।
	[घ]	
	(i)	अनुशासन ।
	(ii)	आवश्यकं ।
	(iii)	प्रियः ।
	(iv)	भवति ।
	[ज]	
	(i)	118 ⇒ ~~अष्टादशाधिकशतम्~~ । अष्टादशाधिकशतम् ।
10	(ii)	222 ⇒ द्वाविंशत्यधिकद्विशतम् ।

कृ. प. उ.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

[खण्ड: - ब]

प्र. 4
⇒ विभक्ति → द्वितीया विभक्ति ।
कारणं → निकषा के योग में । [कर्म कारकेन]

2

प्र. 5
रामं नमः
⇒ रामाय नमः

2

प्र. 6
⇒ कः नाम अपृच्छत ?

प्र. 7
⇒ ~~सर्वे किम् कथम् प्रणामन्ति ।~~
⇒ सर्वे कथम् प्रणामन्ति ?

2

प्र. 9 उत्तर
(i) प्रजानां
(ii) प्रजानां
(iii) राजा:
(iv) प्रियं

01

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.8. संपत्तौ .... तथा।

⇒ शब्दार्थः ->
संपत्तौ -> सुख में। विपत्तौ -> दुःख में। एकरूपता -> एक समान। सविता -> सूर्य। रक्तो -> लाल।

⇒ सन्दर्भ-प्रसङ्गश्च ->
यह श्लोक हमारी पाठ्यपुस्तक 'शेमुषी द्वितीयो: भागः' से लिया गया है। यह कवि भर्तृहरि के नीतिशतक से संकलित है।
⇒ इसमें कवि सुख और दुःख में समान रहने की प्रेरणा देता है।

(2)

⇒ हिन्दी अनुवाद :->
इसके द्वारा कवि कहना चाहते है कि सुख और दुःख में समान रहना चाहिए। जिसप्रकार सूर्य उदय होते समय भी लाल होता है और अस्त होते समय भी लाल होता है।

विशेष :->
हमे सुख में अधिक प्रसन्न नहीं होना चाहिए तथा दुःख में अधिक दुःखी नहीं होना चाहिए, हर परिस्थिति में समान रहना चाहिए।

व्याकरण बोध ->
रक्तश्च -> रक्तस + च [श्चुत्व सन्धि।
महतामेकरूपता -> महताम + एकरूपता [दीर्घ सन्धि]

कृ.प.उ.

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र. 10 (i)	समाश्रयन्ते महावृक्षः फलच्छायासमन्वितः । यदि दैवात् फलं नास्ति, छाया केन निवार्यते ॥
2	(ii)	आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा नावसीदति ।
2	प्र. 12 (i)	कानने → वने ।
	(ii)	जम्बुकः → शृगालः ।
	(iii)	वेला → समय ।
	(iv)	हिमकरः → चन्द्रः ।
3	प्र. 13. उत्तर (i)	जवेन
	(ii)	~~एकम्~~ शनैः ।
	(iii)	बाढ़ं

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र 11

" जननी तुल्य वत्सला "

यह पाठ दीन या दुर्बल [कमजोर] पुत्र के प्रति माता का अत्यधिक प्रेम पर आधारित है।

एक किसान अपने दोनो बैलो के साथ खेत जोत रहा था। उन दोनो में से एक बैल कमजोर था। कमजोर होने के कारण चलने में असमर्थ वह भूमि पर गिर पड़ा। किसान उसे उठाने की कोशिश कर रहा था तथा उसे छड़ी से मार रहा था। यह देखकर माता सुरभि की आँखो में आँसू आ गए। आँसू देखकर भगवान इन्द्र ने इसका कारण पूछा, तो माता ने बताया कि मेरा पुत्र कमजोर है और यह किसान इसे मार रहा है। तो इन्द्र ने पूछा की तुम्हारे हजार पुत्र है तो बस पर इतना वात्सल्य क्यो? तो सुरभि ने बताया कि हां मेरे हजार पुत्र है और माता का प्रेम सभी पुत्रो पर बराबर होता है किन्तु दुर्बल पुत्र पर माता का प्रेम अधिक होता है।

यह सुनकर भगवान इन्द्र ने धरती पर वर्षा की। वर्षा से खुश होकर किसान दोनो बैलो को लेकर घर चला गया।

2

शिक्षा :->

कमजोर या दीन पुत्र पर माता का वात्सल्य [प्रेम] या माता की कृपा अधिक होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		खण्ड - स
	प्र. 14 [क] (i)	दैव: प्रकोपी ।
	(ii)	विज्ञानगर्वितो ।
	[ख] (i)	पञ्चतत्वानि क्षिति, जल, पावक, समीर, गगनानि ।
	(ii)	भूकम्पविशेषज्ञा: कथयन्ति यत् बहुभूमिकभवननिर्माणं करणीयम् ।
	[ग] (i)	खण्ड - स
	प्र. 19.	वनस्य दृश्यं .... कथरं कु
	[क] (i)	सिंह ।
	(ii)	एका नही ।
	[ख] (i)	वानरा: वारं - वारं सिंहं तुदन्ति ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(ii)	एकः वानरः आगत्य सिंहं पुच्छं धुनोति।
	[ग]	
1	(i)	हर्षमिश्रितं।
	(ii)	आरोहति।
	प्र 15 =>	वायुमण्डलं ……………… बहुशुद्धीकरणम्।
	[क]	
	(i)	वायुमण्डलं।
	(ii)	धरातलम्।
	[ख]	
	(i)	भक्ष्यं कुत्सितवस्तुमिश्रितं जलम्।
	(ii)	बहिरन्तर्जगति बहुशुद्धीकरणम् करणीयं।
	[ग]	
	(i)	जलम्।
4	(ii)	करणीयम्।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र. 16.	
	[क]	
	(i)	महाराजस्य ।
	(ii)	विदूषकः ।
	[ख]	
	(i)	वयमत्र कुशलप्रश्नस्य भाजनम् ।
4	(ii)	राजासनं खल्वेतत् न युक्तम् इध्यासितुम् ।
	[ग]	
	(i)	स्पर्शः ।
	(ii)	अस्ति ।
	प्र. 17 उत्तरम्	
	(i)	एकस्मिन् वने एकः सिंहः वसति स्म ।
	(ii)	एकदा सः जाले बद्धः ।
	(iii)	सः सम्पूर्णं प्रयासम् अकरोत् परं बन्धनात् न मुक्तः
	(iv)	तदा तस्य स्वरं श्रुत्वा एकः मूषकः तत्र आगच्छत् ।
	(v)	मूषकः परिश्रमेण जालम् अकृन्तत् ।
3	(vi)	सिंहः जालात् मुक्तः भूत्वा मूषकं प्रशंसन् गतवान् ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 18. खण्ड - द

प्र. 18. उत्तरम्

(i) → नमोनमः
(ii) → कुशलम् ।
(iii) → जनाः ।
पशुपक्षिणः ।
(iv) → कपोतः ।
(v) → भोजनम् ।
(vi) → नौकाविहारम् ।
(vii) → आनन्ददायकम् ।
(viii) →

5

प्र. 19

(i) करोति ।
(ii) अधुना ।
(iii) क्रीडाङ्गणे ।
(iv) सह ।
(v) क्रीडायाम् ।
(vi) आवश्यकता ।
(vii) अध्ययनम् ।
(viii) बहुलाभम् ।

5

BSER-17/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्रः 20	
	(i)	हम सब छात्र है।
		वयम छात्रा: सन्ति।
	(iii)	गोविन्द कल आयेगा।
		गोविन्द: श्व: आगमिष्यति।
	(vi)	तुम मेरे साथ पढ़ो
		त्वम मया सह पठ।
5	(ii)	नदी के पास मेरा घर है।
		नदीं निकषा मम: गृहं अस्ति।
80		समाप्त

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-17/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-17-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

HSER 17/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर